समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे

सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक

कक्षा 7 | भाग 1

© NCERT not to be republished

0783

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Reprint 2026-27

0783 – समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे
कक्षा 7 के लिए सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, भाग 1

ISBN 978-93-5729-664-9

प्रथम संस्करण
जून 2025 आषाढ़ 1947

पुनर्मुद्रण
फरवरी 2026 फाल्गुन 1947

PD 10T BS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2025

₹ 65.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा स्टैलियन ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड डी-165, सेक्टर-63, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरू 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट : धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *एम.वी. श्रीनिवासन*
मुख्य संपादक : *बिज्ञान सुतार*
मुख्य व्यापार प्रबंधक : *अमिताभ कुमार*
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी) : *दीपक जैसवाल*
सहायक उत्पादन अधिकारी : *दीपक कुमार*

आवरण, चित्रांकन एवं ले-आउट
बैनियन ट्री

कार्टोग्राफर
अर्कप्रोवो दास
पवन कुमार

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक परिवर्तनकारी पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना की अनुशंसा करती है, जिसके मूल में भारतीय संस्कृति, सभ्यता और भारतीय ज्ञान परंपरा सन्निहित है। यह नीति विद्यार्थियों को इक्कीसवीं सदी की संभावनाओं और चुनौतियों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने के लिए तैयार करती है। यह दूरदर्शी परिप्रेक्ष्य *विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* में सभी स्तरों और पाठ्यचर्या क्षेत्रों में समाहित है। बुनियादी और प्रारंभिक स्तर, मानवीय अस्तित्व के पाँचों आयामों को स्पर्श करते हुए विद्यार्थियों की अंतर्निहित योग्यताओं के संपोषण के साथ पंचकोश के अधिगम प्रतिफलों की मध्य-अवस्था में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इस प्रकार, मध्य स्तर कक्षा 6 से कक्षा 8 तक तीन वर्षों को समाहित करते हुए प्रारंभिक और माध्यमिक स्तरों के बीच एक सेतु का कार्य करता है।

मध्य स्तर पर इस राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा का उद्देश्य है— विद्यार्थियों को उन आवश्यक कौशलों में दक्ष बनाना, जो उनकी विश्लेषणात्मक, वर्णनात्मक और सृजनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करें और उन्हें आने वाली चुनौतियों एवं अवसरों के लिए तैयार करें। मध्य स्तर पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के आधार पर विकसित बहुआयामी पाठ्यक्रम में ऐसे नौ विषय सम्मिलित किए गए हैं, जो बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देते हैं। इसमें तीन भाषाओं (कम से कम दो भारतीय मूल की भाषाएँ) सहित विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कला शिक्षा, शारीरिक शिक्षा एवं कल्याण और व्यावसायिक शिक्षा सम्मिलित हैं।

ऐसी परिवर्तनकारी शिक्षण-संस्कृति के लिए अनुकूल परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। इसे व्यावहारिक रूप देने के लिए विभिन्न विषयों की उपयुक्त पाठ्यपुस्तकें भी होनी चाहिए। पाठ्य-सामग्री और पढ़ने-पढ़ाने के उपागमों के मध्य इन पाठ्यपुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह निर्णायक भूमिका बच्चों की जिज्ञासा और अन्वेषणात्मक प्रवृत्ति के बीच एक विवेकपूर्ण संतुलन बनाएगी। कक्षा-नियोजन और विषयों की पढ़ाई के मध्य उचित संतुलन बनाने हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण एवं तैयारी भी आवश्यक है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् निरंतर गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए एक प्रतिबद्ध संस्था है। विभिन्न विषयों में पाठ्यचर्या समूहों का गठन किया गया है। इनमें सम्मिलित संबंधित विषय-विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और अध्यापकों ने ऐसी गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें तैयार करने हेतु हर संभव प्रयास किया है। सामाजिक विज्ञान की यह पाठ्यपुस्तक *समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे, भाग 1,* मध्य स्तर के द्वितीय वर्ष के लिए तैयार की गई है। यह कक्षा 6 के विषयों और दृष्टिकोणों को ही आगे बढ़ाते हुए मुख्यत: मूल अवधारणाओं और प्रमुख घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करती है। यह पाठ्यपुस्तक रोचक ढँग से तैयार किए गए चित्रों, मानचित्रों और चित्रणों के माध्यम से विद्यार्थियों को सिखाने का प्रयास करती है। पाठ्यपुस्तक में अन्वेषण, खोज और अर्थ-निर्माण में सहायक

© NCERT not to be republished

चिंतन-मनन को बढ़ावा देने वाले अनेकानेक अभ्यास और गतिविधियाँ सम्मिलित हैं। विद्यार्थियों को विचारों और अवधारणाओं को समग्र रूप से समझने में सहायता प्रदान करने हेतु बहुविषयी परिप्रेक्ष्य के साथ विषयगत दृष्टिकोण की निरंतरता रखी गई है।

पाठ्यपुस्तक उन मूल्यों को समेकित करती है जिन्हें हम अपने विद्यार्थियों में विकसित करना चाहते हैं। यह भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ में निहित होने के साथ ही आयु के अनुसार वैश्विक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करती है। मेरे विचार से, सभी व्यावहारिक उद्देश्यों की दृष्टि से यह पाठ्यपुस्तक अपने पाठ्यचर्या लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल रही है, जैसे – सामग्री के उचित चयन के माध्यम से एक ओर यह विद्यार्थियों में स्वाभाविक जिज्ञासा को बढ़ावा देती है, वहीं दूसरी ओर यह राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 की संस्तुतियों के अनुरूप शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाने की दिशा में भी सफल सिद्ध हुई है।

इस पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त, इस स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न अन्य शिक्षण संसाधनों का अन्वेषण करने हेतु भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ऐसे संसाधन उपलब्ध कराने में विद्यालय के पुस्तकालय की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। इसके साथ ही, विद्यार्थियों को ऐसे प्रयासों हेतु मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

मैं इस पाठ्यपुस्तक के विकास में सम्मिलित सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस उत्कृष्ट प्रयास को साकार किया है और आशा करता हूँ कि यह पुस्तक सभी हितधारकों की अपेक्षाओं को पूर्ण करेगी। इसके साथ ही, हम आपकी टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं, जिनसे भावी संस्करणों को और भी उत्कृष्ट बनाया जा सकेगा।

दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली
जून 2025

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

विद्यार्थी के नाम पत्र

प्रिय विद्यार्थी,

अब आप मध्य स्तर के दूसरे वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। इस वर्ष सामाजिक विज्ञान विषय में हम अपने देश भारत के विषय में और अधिक जानेंगे। यह अध्ययन पाँच विषयों के माध्यम से होगा, जिनकी शुरुआत हमने पिछले वर्ष की थी। इनमें आप न केवल वर्तमान में, बल्कि अतीत में भी भारत के दुनिया के शेष भागों के साथ पारस्परिक संपर्क की झलक पाएँगे। अब जबकि आप पहले से थोड़े बड़े हो गए हैं, इस बार आपको अधिक स्वतंत्र रूप से पढ़ने, लिखने और कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया है। हमने पाठ्यपुस्तक को संक्षिप्त रखने का प्रयास किया है। पुस्तक में रंगीन मानचित्रों, चित्रों और चित्रांकनों की बहुतायत है।

अच्छी शिक्षा का उद्देश्य समझ और आत्मचिंतन को बढ़ावा देना होता है। इस उद्देश्य से हमने आपको खोजने, सोचने, सृजन करने, प्रश्न पूछने और उत्तर प्रस्तावित करने के अनेक अवसर प्रदान किए हैं।

आप देखेंगे कि प्रत्येक विषयवस्तु में कई विषयों, जैसे – इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान या अर्थशास्त्र से सामग्री को एकत्र किया गया है। इससे आपको वास्तविक जीवन की घटनाओं को बेहतर ढँग से समझने में सहायता मिलेगी और आप आज की दुनिया को भी अधिक स्पष्टता से देख सकेंगे।

अंततः हम उन व्यक्तियों, स्थानों और विचारों की पहचान करना आरंभ करेंगे, जिन्होंने भारत की नींव को सशक्त किया और आज के समाज के विभिन्न पहलुओं में झाँकने की कोशिश करेंगे। आप देखेंगे कि अतीत की अनेक बातें, आज के समाज की रचना में अब भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और भविष्य को सुदृढ़ करने की दिशा दिखा रही हैं।

इस पाठ्यपुस्तक को बहुत से लोगों ने मन से और अथक परिश्रम के साथ तैयार किया है। हमें इसे तैयार करने में अत्यंत आनंद प्राप्त हुआ और हम इसे आपके समक्ष इस आशा के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि आप भी इस यात्रा में उतना ही आनंद प्राप्त करेंगे। जब आप नए क्षितिजों की खोज करेंगे या किसी कठिन प्रश्न का कोई मौलिक उत्तर देंगे, तब आप भी उसी आनंद का अनुभव कर सकेंगे।

हम यहाँ कुछ महत्वपूर्ण जानकारी भी दे रहे हैं। इस पाठ्यपुस्तक का प्रत्येक भाग — पाठ्यसामग्री, पार्श्व प्रकोष्ठ (साइड बॉक्स), चित्र अथवा मानचित्र — मूल्यांकन एवं आकलन का विषय हो सकता है। इसके अपवाद हैं —

© NCERT not to be republished

- सूक्ति/सूक्तियाँ अध्याय के पहले पृष्ठ पर दी गई हैं। कुछ सूक्तियाँ सीधी-सरल हैं, तो कुछ गहन विचार लिए हैं। यदि ये आपको पहली बार पढ़ने पर समझ में नहीं आएँ, तो कोई बात नहीं। ये आपको प्रेरणा या प्रोत्साहन देने के लिए हैं।
- अगले कुछ पृष्ठों में दी गई 'इस पुस्तक के साथ आपकी यात्रा' संबंधित सामग्री।
- शब्दावली (पाठ्यपुस्तक के अंत में)।

उपरोक्त का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

इस पुस्तक के साथ आपकी यात्रा

मध्य स्तर में आपका यह दूसरा वर्ष है। अब आप सामाजिक विज्ञान के अध्ययन के दृष्टिकोण से भलीभाँति परिचित हो चुके हैं। इस वर्ष हम भारत की खोज की अपनी यात्रा को और आगे बढ़ाएँगे। हम प्रश्न पूछते रहेंगे और उनके उत्तर तलाशेंगे— लोग अतीत में कैसे रहते थे? हमारा देश भारत या इंडिया, कैसा दिखता है? इसके पहाड़, नदियाँ और मैदान कैसे हैं? मौसम जैसा व्यवहार करता है, वैसा क्यों करता है?... और इसी तरह और भी बहुत कुछ। कुछ अध्यायों में हमारे मित्र भविषा और ध्रुव (हमें उम्मीद है कि आप भी उनके मित्र बनेंगे) अपने काल-यंत्र के साथ हमारी यात्रा में साथ रहेंगे।

इस नई पाठ्यपुस्तक की अनेक रोचक विशेषताएँ हैं। जैसे ही आप पृष्ठों को पलटेंगे, विभिन्न प्रकार के रंगीन आरेख, चित्र, मानचित्र और चित्रांकन देखेंगे। आइए, आपको पुस्तक और इसकी विशेषताओं की झलक दिखाते हैं। आपके शिक्षक भी इस संदर्भ में आपका मार्गदर्शन करेंगे।

प्रत्येक अध्याय का आरंभ किसी प्रसिद्ध व्यक्ति अथवा ग्रंथों के सुविचार से होता है। उसे पढ़िए और स्मरण रखिए। इनमें से कुछ सूक्तियाँ गहन विचार प्रस्तुत करती हैं। यदि ये आपको समझ न आएँ, तो घबराइए नहीं। आप बाद में उन्हें पुन: पढ़कर कक्षा में उन पर चर्चा कर सकते हैं। यहाँ कुछ उदाहरण दिए जा रहे हैं —

साम्राज्यों का उदय

अध्याय 5

जनविहीन देश नहीं हो सकता और देशविहीन राज्य नहीं होता।

—कौटिल्य (अर्थशास्त्र)

मूल पाठ सरल भाषा में लिखा गया है। आप भारत और अन्य स्थानों के लोगों एवं स्थलों के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

तकनीकी शब्दों को पाठ के हाशिए में समझाया गया है। इन शब्दों को पुस्तक के अंत में दी गई **शब्दावली** (लघु शब्दकोश) में भी सम्मिलित किया गया है। इसके अतिरिक्त हमने कुछ ऐसे शब्द सम्मिलित किए हैं जिनसे हो सकता है कि आप परिचित न हों। शब्दावली को प्राय: देखते रहें।

© NCERT not to be republished

मूलभूत आवश्यकताएँ
अर्थशास्त्र में मूलभूत आवश्यकताओं से तात्पर्य उन बुनियादी वस्तुओं से होता है, जो किसी भी व्यक्ति के जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं, जैसे – भोजन, पानी, वस्त्र और आवास।

आवश्यकताएँ
अर्थशास्त्र में आवश्यकता से तात्पर्य किसी भी व्यक्ति की उन इच्छाओं से होता है, जो जीवित रहने के लिए आवश्यक नहीं हैं।

बाजार क्या है?

वह स्थान जहाँ लोगों द्वारा विभिन्न वस्तुओं का क्रय और विक्रय किया जाता है, उसे बाजार कहते हैं। इसे हिन्दी में हाट और कन्नड़ में 'मारुकट्टे' कहा जाता है। आपके क्षेत्र में इसे क्या कहा जाता है? बाजार कहीं भी हो सकता है और वर्तमान में ऑनलाइन बाजार बहुत ही ज्यादा प्रचलित हो रहा है। वस्तुएँ और सेवाएँ बाजार के माध्यम से व्यक्तियों, **परिवारों** और **व्यापारियों** के लिए उपलब्ध हो रही हैं। लंबे समय से व्यक्ति वस्तुओं और सेवाओं की **मूलभूत आवश्यकताओं** एवं अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बाजारों पर निर्भर रहे हैं। इसके अलावा बाजार लोगों, परंपराओं और विचारों को जोड़ते हैं।

आइए, 16वीं शताब्दी के भारत से एक बाजार का उदाहरण देखते हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्न ?

1. *भारतीय जलवायु को कौन-कौन से तत्व विविध बनाते हैं?*
2. *मानसून क्या है? यह कैसे बनते हैं?*
3. *जलवायु का समाज, संस्कृति और आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ता है?*
4. *जलवायु की समझ हमें प्राकृतिक आपदा के लिए तैयार रहने में किस प्रकार सहायता करती है?*
5. *जलवायु परिवर्तन क्या है? इसके परिणाम क्या-क्या होते हैं?*

महत्वपूर्ण प्रश्न अनुभाग में केवल दो या तीन प्रश्नों के माध्यम से आपको यह अनुमान हो जाएगा कि इस अध्याय में आप क्या-क्या जानने और समझने वाले हैं।

हमें अध्याय को पढ़ते हुए **'आइए पता लगाएँ' 'आइए विचार करें'** और **'पुनरावलोकन करें'** जैसे कुछ खंड मिलेंगे। इनमें गतिविधियाँ, पाठगत अभ्यास या वह विषय दिए गए हैं, जो आगे गहन चिंतन के अवसर प्रदान करते हैं।

आइए पता लगाएँ

आपके विचार से शासकों ने अपने साम्राज्य विस्तार के लिए युद्ध के अतिरिक्त दूसरे और कौन-कौन से उपाय अपनाए होंगे? अपने विचार लिखिए और अपनी कक्षा में साझा कीजिए।

आइए विचार करें

यदि कोई राजा स्वयं को ईश्वरीय शक्तियों से युक्त मानने लगे, तो क्या हो सकता है? वह अपनी प्रजा पर किस प्रकार शासन करेगा?

not to be republished © NCERT

Reprint 2026-27

पुनरावलोकन करें

कक्षा छह की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक *जिज्ञासा* में आपने तापमान को मापने वाले विभिन्न तापमापी यंत्रों के बारे में पढ़ा है, जैसे – ज्वरमापी (क्लीनिकल थर्मामीटर) और प्रयोगशाला तापमापी (लेबोरेटरी थर्मामीटर)। आपने तापमान के पैमानों के बारे में भी सीखा है। उनमें से एक सेल्सियस पैमाना है और दूसरा फॉरेनहाइट पैमाना। उदाहरण के लिए, यदि हमारे पास 15 डिग्री सेल्सियस (जो 15°C के रूप में लिखा जाता है) का ठंडा तापमान है, तो वह 59 डिग्री फॉरेनहाइट (जो 59°F के रूप में लिखा जाता है) के बराबर होता है।

इसे अनदेखा न करें खंड में कुछ रोचक या मजेदार तथ्य दिए गए हैं, जो आपकी जिज्ञासा को जगाते हैं।

इसे अनदेखा न करें

प्रसिद्ध संस्कृत व्याकरणाचार्य पाणिनि का समय भी लगभग 5वीं शताब्दी सा.सं.पू. में ही माना जाता है, जब नंदों का राज्य था। उन्हें एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ *अष्टाध्यायी* की रचना के लिए जाना जाता है, जिसमें 3996 सूत्रों के माध्यम से संस्कृत व्याकरण के नियमों को संकलित किया गया है।

चित्र 5.8 — पाणिनि की स्मृति में जारी एक भारतीय डाक टिकट

आगे बढ़ने से पहले...

- भारत के सभी धर्मों के अपने-अपने पावन स्थल हैं, जिन्हें बिंदुओं के द्वारा स्थलाकृति पर प्रस्तुत किया गया है। बौद्ध, जैन और सिख धर्म में ऐसे पावन स्थल सामान्य रूप से किसी महान व्यक्ति से संबंधित हैं।
- हिंदू धर्म में तीर्थस्थलों का वृहत जाल है, जो संपूर्ण भारत को आपस में जोड़ता है। तीर्थयात्रा की परंपरा लोगों के जीवन में गहराई से जुड़ी हुई है। यह न केवल व्यक्तिगत एवं आध्यात्मिक विकास को पोषित करती है, अपितु व्यापार और अखिल भारतीय सांस्कृतिक एकीकरण के सामाजिक-आर्थिक उद्देश्य को भी समर्थन देती है।
- हिंदुओं, जनजातियों एवं लोक-परंपराओं में भूमि को पावन माना जाता है।
- उपेक्षा और देखभाल की कमी के कारण हमारे पावन स्थल प्रदूषित होते जा रहे हैं। हमारी राष्ट्रीय धरोहर की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। हमारा संविधान भी हमें इसकी याद दिलाता है।

प्रत्येक पाठ के अंत में **'आगे बढ़ने से पहले...'** दिया गया है, जो पाठ के मूल विचारों को संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत करता है। तत्पश्चात अभ्यास, प्रश्न अथवा परियोजनाएँ दी गई हैं।

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर एक **क्यू.आर.कोड** दिया गया है, जो आपको पाठ की विषयवस्तु से संबंधित रोचक वीडियो, पहेली, खेल, कहानियों आदि तक ले जाएँगे। यह आपको आगे की खोज के लिए प्रेरित भी करेंगे। इनको स्वयं अथवा किसी वयस्क की सहायता लेकर स्कैन कीजिए और सामग्री का अवलोकन कीजिए।

इस पाठ्यपुस्तक के अध्ययन में आपके शिक्षक आपके साथ होंगे। हम आशा करते हैं कि आप इस पुस्तक के कुछ अंशों का अध्ययन अपने माता-पिता या अभिभावकों के साथ भी करेंगे। संभवतः कुछ गतिविधियों को उनके साथ करना आपको अच्छा लगेगा।

हम सामाजिक विज्ञान के अध्ययन द्वारा मानव-जीवन एवं समाज पर गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने की आपकी इस यात्रा के आनंदप्रद होने की कामना करते हैं।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

भारत का संविधान

भाग-3 (अनुच्छेद 12-35)

(अनिवार्य शर्तों, कुछ अपवादों और युक्तियुक्त निर्बंधन के अधीन)

द्वारा प्रदत्त

मूल अधिकार

समता का अधिकार

- विधि के समक्ष एवं विधियों के समान संरक्षण;
- धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर;
- लोक नियोजन के विषय में;
- अस्पृश्यता और उपाधियों का अंत।

स्वातंत्र्य-अधिकार

- अभिव्यक्ति, सम्मेलन, संघ, संचरण, निवास और वृत्ति का स्वातंत्र्य;
- अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण;
- प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण;
- छः से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों को नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा;
- कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।

शोषण के विरुद्ध अधिकार

- मानव के दुर्व्यापार और बलात श्रम का प्रतिषेध;
- परिसंकटमय कार्यों में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध।

धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

- अंत:करण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार की स्वतंत्रता;
- धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता;
- किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के संबंध में स्वतंत्रता;
- राज्य निधि से पूर्णत: पोषित शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के संबंध में स्वतंत्रता।

संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार

- अल्पसंख्यक-वर्गों को अपनी भाषा, लिपि या संस्कृति विषयक हितों का संरक्षण;
- अल्पसंख्यक-वर्गों द्वारा अपनी शिक्षा संस्थाओं का स्थापन और प्रशासन।

सांविधानिक उपचारों का अधिकार

- उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्देश या आदेश या रिट द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने का उपचार।

Reprint 2026-27

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.)

1. एम.सी.पंत., *कुलाधिपति,* राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (**अध्यक्ष**)
2. मञ्जुल भार्गव, *आचार्य*, प्रिंसटन यूनिवसर्सिटी (**सह-अध्यक्ष**)
3. सुधा मूर्ति, *प्रतिष्ठित लेखिका* एवं शिक्षाविद्
4. स्व. बिबेक देबरॉय, *अध्यक्ष,* प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.–पी.एम.)
5. शेखर मांडे, *पूर्व-महानिदेशक, सी.एस.आई.आर. एवं प्रतिष्ठित आचार्य,* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
6. सुजाता रामदोरई, *आचार्य*, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा
7. शंकर महादेवन, संगीत विशेषज्ञ, मुंबई
8. यू. विमल कुमार, *निदेशक,* प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी, बेंगलुरु
9. मिशेल डैनिनो, *अतिथि आचार्य*, आई.आई.टी. गाँधीनगर
10. सुरीना राजन, *आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त),* हरियाणा एवं पूर्व महानिदेशक, एच.आई.पी.ए.
11. चमू कृष्ण शास्त्री, *अध्यक्ष*, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय
12. संजीव सान्याल, *सदस्य,* प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.– पी.एम.)
13. एम.डी. श्रीनिवास, *अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज, चेन्नई
14. गजानन लोंढे, *प्रमुख*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.
15. राबिन छेत्री, *निदेशक*, एस.सी.ई.आर.टी., सिक्किम
16. प्रत्यूष कुमार मंडल, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
17. दिनेश कुमार, *आचार्य,* विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
18. कीर्ति कपूर, *आचार्य*, भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
19. रंजना अरोड़ा, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष,* पाठ्यक्रम अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली **(सदस्य-सचिव)**

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

Reprint 2026-27

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

सी.ए.जी. सामाजिक विज्ञान (सी.ए.जी-एस.एस) अध्यक्ष

मिशेल डैनिनो, अतिथि *आचार्य*, आई.आई.टी. गाँधीनगर

सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र) अध्यक्ष

संजीव सान्याल, *सदस्य*, ई.ए.सी – पी.एम.

सहयोग

अंकुर कक्कड़, *सह-आचार्य*, सेंटर फॉर इंडिक स्टडीज, इंडस यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद

अजीज महदी, फारसी *अध्येता* एवं *पूर्व फैलो*, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला; तथा सदस्य, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

अल्का सिंह, *सहायक आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल, रा.शै.अ.प्र.प.

आशीर्वाद द्विवेदी, *फैकल्टी* ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय

कीर्ति कौल, हेड, रिसर्च एंड रिर्सोसेज, शिव नादर स्कूल, नोएडा

जावेद इकबाल भट, *सहायक आचार्य*, पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, कश्मीर विश्वविद्यालय

जॉनसन ओडाक्कल, *कोमोडोर (सेवानिवृत्त)* एवं *पूर्व निदेशक*, मैरिटाइम हिस्ट्री सोसाइटी; तथा *फैकल्टी*, आदित्य बिड़ला वर्ल्ड एकेडमी

दिव्या इंद्रा चटर्जी, *चार्टर्ड अकाउंटेंट*, *सीनियर कंसल्टेंट*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

नबज्योति डेका, *सहायक आचार्य*, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय

निखिल बेल्लारिकर, *इतिहासकार*, *लेखक* एवं *अनुवादक*

पवन कुमार, *सहायक आचार्य* एवं *प्रभारी*, भूगोल विभाग, फैकल्टी ऑफ अर्थ, एनवायरमेंट एंड स्पेस साइंसेज, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, प्रेम नगर, भिवानी

पायल मुखर्जी, *संकाय सदस्य*, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विभाग, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली; तथा *सहायक संकाय सदस्य*, अंग्रेजी विभाग, कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, सस्केचवन विश्वविद्यालय, कनाडा

प्राची लाहिरी, *शिक्षक* (इतिहास), नेशनल पब्लिक स्कूल, बेंगलुरु

प्रोबल रॉय चौधरी, *निदेशक*, न्यू इंडियन स्टडीज केंद्र; तथा *आचार्य*, अंग्रेजी विभाग, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता

© NCERT not to be republished

भावना पालीवाल, *एजुकेटर* एवं *सीनियर कंसल्टेंट*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

भैरू लाल यादव, *सह-आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

पूर्वा भट्ट, *सीनियर कंसल्टेंट*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

मृणमयी रे, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

राधा नारायणन, *शोधकर्ता* एवं *लेखक*, इतिहास पाठ्यपुस्तक, चिन्मय मिशन, चेन्नई

रिद्धि गर्ग, *संपादक* एवं *सीनियर कंसल्टेंट*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

संदीपा मदान, *एजुकेटर*, शिव नादर स्कूल, गुरुग्राम

सृष्टि चौहान, *यंग प्रोफेशनल*, (ई.ए.सी.–पी.एम.) नीति आयोग

सुपर्णा दिवाकर, *एजुकेटर* एवं *डेवलपमेंट सेक्टर प्रोफेशनल*; तथा *चीफ कंसल्टेंट*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

सुमन गौतम, *प्रधानाचार्य*, शिवा इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल, बिलासपुर, हिमाचल

सुरेन्द्र सी. ठाकुर देसाई, *आचार्य* एवं *विभागाध्यक्ष*, भूगोल और ग्रामीण विकास विभाग, गोगटे जोगलेकर कॉलेज, रत्नागिरि

सदस्य समन्वयक

सीमा शुक्ला ओझा, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

एम.वी. श्रीनिवासन, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली, सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र)

समीक्षक

अदिति मिश्रा, *निदेशक प्रधानाचार्य*, दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुरुग्राम; और शिक्षक – कनु चोपड़ा, लीजा दत्ता, अवनी मेहता, ममता कुमार, सुपर्णा शर्मा

अनुराग बेहर, *सदस्य*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा परिवेक्षण समिति एवं *सी.ई.ओ.*, अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, बेंगलुरु

अर्नब भट्टाचार्य, *सेंटर डायरेक्टर*, होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टी.आई.एफ.आर.), मुंबई; तथा *आचार्य*, डिपार्टमेंट ऑफ कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स एंड मटेरियल साइंस, टी.आइ.एफ.आर.

अपर्णा पांडे, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

कुमारी रोहिणी, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

गौरी श्रीवास्तव, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

जगबीर सिंह, *अध्यक्ष*, एन.ओ.सी. एवं *कुलाधिपति*, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

जया सिंह, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

तनु मलिक, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

पी.के. मंडल, *आचार्य* (इतिहास) एवं *विभागाध्यक्ष*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रतिमा कुमारी, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रियदर्शनी सामंतराय, *सहायक आचार्य* (समाजशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

बीरबल लूनीवाल, *सहायक आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रश्मि, *सह-आचार्य* (वाणिज्य, व्यवसाय अध्ययन), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रुचिका सिंह, आई.के.एस. डिवीजन, शिक्षा मंत्रालय

वांगथांग खोबुंग, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

शंकर शरण, *आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

शिप्रा वैद्या, *आचार्य* (वाणिज्य), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सविता सागर, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

साईनाथ शंकरराव कबाड़े, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुभाष सिंह, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

हिंदी अनुवाद

आनंद राजन पाल, *टी.जी.टी.,* सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रामबाग, बस्ती (उ.प्र.)

अंकित जोशी, *प्रवक्ता,* राजनीति विज्ञान, रा.इ.का. बुरांसखंडा, रायपुर, देहारादून, उत्तराखंड

ऋषि बाजपेई, *टी.जी.टी.,* सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, वी.आई.पी. रोड, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश

जितेंद्र सिंह नागर, *सहायक आचार्य*, अंग्रेजी विभाग, लाजपत राय कॉलेज, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

बीरबल लूनीवाल, *सहायक आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

भैरू लाल यादव, *सह-आचार्य* (जनसंख्या अध्ययन) सा.वि.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रवि नौटियाल, *सहायक आचार्य*, केंद्रीय शैक्षिक प्रोद्योगिकी संस्थान, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रश्मि, *सह-आचार्य* (वाणिज्य, व्यवसाय अध्ययन), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

राम नाथ झा, *आचार्य*, संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान, जे.एन.यू., नई दिल्ली

सविता सागर, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सौरभ कुमार सुमन, *रिसर्च एसोसिएट*, डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

हिंदी अनुवाद समीक्षा

अपर्णा पांडे, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

कुमारी रोहिणी, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

जया सिंह, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

तनु मलिक, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

तरुण मिश्रा, *टी.जी.टी.* (सामाजिक विज्ञान), राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुकंदपुर; तथा *सदस्य*, कोर अकादमिक यूनिट, परीक्षा विभाग, शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली

तौसीफ अहमद, *सीनियर कंसल्टेंट*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

दिव्या इंद्रा चटर्जी, *चार्टर्ड अकाउंटेंट* एवं *सीनियर कंसल्टेंट*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

नीरजा रश्मि, *आचार्य* (सेवानिवृत्त), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

पी.के. मंडल, *आचार्य* (इतिहास) एवं विभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रतिमा कुमारी, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

बलबीर सिंह बुटोला, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

बीरबल लूनीवाल, *सहायक आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

भावना पालीवाल, *एजुकेटर* एवं *सीनियर कंसल्टेंट*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

लीना सिंह, *प्राचार्य* (सेवानिवृत्त), केंद्रीय विद्यालय संगठन

शंकर शरण, *आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

शिप्रा वैद्या, *आचार्य* (वाणिज्य), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

शुचि दयाल, *स्वतंत्र शोधकर्ता*

संगीता श्रीवास्तव, *पी.जी.टी.* (इतिहास) (सेवानिवृत्त), केंद्रीय विद्यालय संगठन

साईनाथ शंकरराव कबाड़े, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सारिका चंद्रवंशी साजू, *आचार्य* (समाजशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सीमा शुक्ला ओझा, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

सुभाष सिंह, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

हरीश मीणा, *सहायक आचार्य* (जनसंख्या अध्ययन), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्ष, सह-अध्यक्ष एवं सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने *विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* के दृष्टिकोणों को पाठ्यपुस्तक में समाहित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण-अधिगम सामग्री निर्माण समिति के अध्यक्ष, सह-अध्यक्ष एवं सदस्यों का भी धन्यवाद ज्ञापित करती है, जिन्होंने इस पुस्तक की गहन समीक्षा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, रा.शै.अ.प्र.प. सामाजिक विज्ञान और अर्थशास्त्र के पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों एवं अन्य संबंधित समूहों का आभार प्रकट करती है, जिन्होंने पार-अनुशासनिक विषयों (क्रॉस-कटिंग थीम्स) को पुस्तक में समाहित करने में सहयोग और मार्गदर्शन दिया।

पाठ्यपुस्तक निर्माण में सामाजिक विज्ञान और अर्थशास्त्र के पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के सदस्यों की सहभागिता और योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस पाठ्यपुस्तक में पार-अनुशासनिक विषयों के समेकन में योगदान देने वाले अन्य पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के अध्यक्षों और सदस्यों को भी विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया जाता है।

इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण के प्रत्येक चरण में सहयोग प्रदान करने वाले प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी. के सामाजिक विज्ञान दल के सदस्यों— सुपर्णा दिवाकर, भावना पालीवाल, दिव्या इंद्रा चटर्जी, रिद्धि गर्ग और पूर्वा भट्ट की अथक मेहनत एवं समर्पण विशेष उल्लेखनीय रहा है। हम बैनियन ट्री की श्वेता राव के भी विशेष आभारी हैं, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक के आकर्षक डिजाइन, रूप-सज्जा और दृश्य गुणवत्ता में अत्युत्तम योगदान दिया तथा संपूर्ण प्रक्रिया में निरंतर निष्ठापूर्वक कार्य किया। हमें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि नीति आयोग की *यंग प्रोफेशनल* (ई.ए.सी.-पी.एम.) सृष्टि चौहान का निरंतर सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा।

परिषद, अन्य सदस्यों— अंजू गाँधी, एम. प्रमोद कुमार, फणीन्द्र शर्मा, निधि एम. शास्त्री, श्रवण एस.के., सिद्धार्थ ए. भार्गव, स्वस्ति शर्मा, तरुण चौबीसा तथा प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.के अन्य सदस्यों के योगदान के लिए भी आभारी है।

चित्रांकन कार्य में अल्बर्ट श्रीवास्तव, आशुतोष कांबली, अत्रि चेतन और प्रशांत सिंह अपने अभिनव डिजाइनों, रेखाचित्रों और रचनात्मकता के लिए प्रशंसा के पात्र हैं, जिन्होंने पुस्तक की दृश्य गुणवत्ता को समृद्ध किया। मानचित्रों को सजीव बनाने के लिए हम अर्काप्रोवो दास, एकता गुप्ता और पवन कुमार के कार्य की प्रशंसा करते हैं, विशेष रूप से जिस प्रकार हमारे बार-बार बदलाव के अनुरोधों को धैर्यपूर्वक स्वीकार करते हुए विद्यार्थियों के लिए मानचित्रों को जीवंत बनाया है। वी.एन. प्रभाकर द्वारा ऐतिहासिक स्थलों से संबंधित चित्रों को उनके व्यक्तिगत संग्रह से उदारतापूर्वक साझा करने के लिए परिषद् उनके

© NCERT not to be republished

प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करती है। पाठ्यपुस्तक निर्माण में विभिन्न स्तरों पर सहयोग के लिए हम वेदिका पुंडीर, *जे.पी.एफ.*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग की सराहाना करते हैं।

परिषद्, इस पुस्तक के प्रकाशन और इसे अंतिम रूप देने के लिए प्रकाशन प्रभाग की आभारी है। इस प्रक्रिया में भाषा संपादन हेतु अतुल मिश्रा, *संपादक* (संविदा); राहुल सेमवाल, *सहायक संपादक* (संविदा); श्रेया गुप्ता, प्रज्ञा दूबे, प्रियंका एवं अब्दुल मजीद, *प्रूफरीडर* (संविदा); तथा पवन कुमार बरियार, *प्रभारी*, *डी.टी.पी. प्रकोष्ठ*; एवं बिट्टू कुमार महतो, नरेश कुमार, विपन कुमार शर्मा, सौरभ कुमार, मो. रिजवान एवं वकार युनिस, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा) के प्रति भी परिषद् आभार व्यक्त करती है।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

विषय-सूची

आमुख *iii*

विद्यार्थी के नाम पत्र *v*

इस पुस्तक के साथ आपकी यात्रा *vii*

विषय (क) — भारत एवं विश्व : भूभाग एवं उनके निवासी

1. भारत की भौगोलिक विविधता 1
2. मौसम को समझना 27
3. भारत की जलवायु 45

विषय (ख) — अतीत के चित्रपट

4. नवारंभ— नगर एवं राज्य 67
5. साम्राज्यों का उदय 83
6. पुनर्गठन का काल 117
7. गुप्त काल— अथक सृजनशीलता का युग 145

विषय (ग) — हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं ज्ञान परंपराएँ

8. भौगोलिक क्षेत्र कैसे पावन होते हैं? 167

विषय (घ) — शासन प्रणाली और लोकतंत्र

9. शासक से शासित तक— सरकार के प्रकार 185
10. भारत का संविधान— एक परिचय 209

विषय (ङ) — हमारे आस-पास का आर्थिक जीवन

11. वस्तु विनिमय से मुद्रा तक 229
12. बाजारों की समझ 247

भारत का राजनैतिक मानचित्र *274*

भारत का भौतिक मानचित्र *275*

शब्दावली *276*

बाह्य स्रोतों से प्राप्त चित्र और मानचित्र *286*

© NCERT not to be republished

वसुधैव कुटुम्बकुम
संपूर्ण विश्व एक परिवार है

not to be republished